International Journal of Advances in Engineering and Management (IJAEM)
Volume 3, Issue 7 July 2021, pp: 1164-1166 www.ijaem.net ISSN: 2395-5252

आनुदानित एव मगैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन

डॉरवींद्रनाथसिंह,

शिक्षा-संकाय

शाज़िया अर्शी

शोध छात्रा-श्री वे वि वि

Submitted: 25-06-2021 Revised: 04-07-2021 Accepted: 07-07-2021

शिक्षा ही एक सबल माध्यम है जिससे प्रबुद्ध नागरिकों के तैयार करना केवल समाज का ही नही वरन देश एव मविश्वमे चेतना, नवीन ता एवम प्रबुद्धता का संचार किया जा सकता है। शिक्षा की इस कड़ी में माध्यमिक शिक्षा व्यक्तियों के वृहद सामाजिक सम्बन्धो समायोजित होने की क्षमता प्रदान करती ही है साथ ही साथ जीवनयापन के लिए वयवसायिक चयन चयन के लिए दृष्टि भी प्रदान करती है। माध्यमिक शिक्षाया विद्यालयी शिक्षा व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन की तैयारी की आधार शिला है।

आज के इस जटिल सामाजिक, सांस्कृतिक एवम वैज्ञानिक परिवेश में विद्यालयी शिक्षकों के व्यसायिक सन्तुष्टि के आधार पर कार्य सम्पादन को परखा जाता है, यदि शिक्षक सन्तुष्ट है तो निश्चित रूप से उसका कार्य निष्पादन भी संतोषजनक होता है, इसी को आधार बनाकर ही विद्यालयी स्तर के अनुदा नित एवम गैर अनुदानित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धिका तुलनात्मक अध्ययन किया गया।

उद्देश्य:-

1.अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

2. अनुदानित एवमगैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के छात्र एवम छात्राओंकी शैक्षिक उपलब्धिका तुलनात्मक अध्ययन करना।

3. शहरीएवम ग्रामीण क्षेत्र के अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि कातुलनात्मक अध्ययनकरना।

परिकल्पना:-

1. अनुदानित एव मगैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।
2. अनुदानित एव म्गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के छात्र एवम्छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।
3. शहरी एवम ग्रामीण क्षेत्र के अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।

कार्ययोजना:-

प्रस्तुत अध्ययन सर्वेक्षण विधि के आधार पर विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन किया गया।

न्यादर्श के रूप में प्रयागराज जनपद के उत्तरप्रेदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के 1000 विद्यार्थियों को लिया गया है।

शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करने के लिये इंटर प्रथमवर्ष की परीक्षा में प्राप्त अंको के प्रदत्तों के रूप में संकलित किया गया है। इसके लिए शोधकर्ती ने माध्यमिक विद्यालयी

International Journal of Advances in Engineering and Management (IJAEM)
Volume 3, Issue 7 July 2021, pp: 1164-1166 www.ijaem.net ISSN: 2395-5252

छात्रों से सम्पर्क करके उनके अंको को प्राप्त किया तथा अंको का मध्यमान, मानक विचलन व'जेड'का मान प्राप्त करके शैक्षिक उपलब्धि का आंकलन किया।

परिणाम:-

1.अनुदानित एवमगैरअनुदानित माध्यमिक विद्यालयों विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को देखने के लिये 'जेड'टेस्ट का प्रयोग किया गया है। जिसका परिणाम निम्न है-

अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की संख्या-500, जिसका मध्यमान-332.62 है,मानक विचलन-33.7 है, और गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की कुल संख्या-500 मध्यमान-236.14है,मानक विचलन-36.58 है दोनों का'जेड' का मान 43.45 है,सार्थकता स्तर-0.05 पर सार्थक है।

अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्रा जे शैक्षिक उपलब्धि में अंतर :-

छात्रों की संख्या-250 है मध्यमान-316.54 है, मानक विचलन-59.39 है, छात्राओं की संख्या-250 है मध्यमान-288.15, मानक विचलन-49.32 है, 'जेड'का मान 5.81 है सार्थकता स्तर-0.05 पर सार्थक है।

3.ग्रामीण क्षेत्र के गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि की तुलना-छात्रों की संख्या-250 है जिसका मध्यमान-288.15, मानक विचलन-49.32 है, छात्राओं की संख्या- 250 मध्यमान-248.15 है,मानक विचलन 49.6 है जिसका 'जेड' का मान 9.04 है सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक है।

4.शहरी क्षेत्र के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि की तुलना:-

छात्रों की संख्या-250 है मध्यमान-369.36 है, मानक विचलन16.98 है,छात्राओं की कुल संख्या-250 है मध्यमान- 333.46 है, मानक विचलन-14.5 है जिसका जेड' का मान 25.46 है, सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक है।

5.शहरी क्षेत्र के गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/ छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना:-

छात्रों की कुल संख्या-250 है मध्यमान-263.72 ,मानक विचलन-33.74है। छात्राओं की कुल सँख्या-250 है जिसका मध्यमान-242.84 है, मानक विचलन-22.60 है जिसका 'जेड' का मान 8.15 है,सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक है।

निष्कर्ष:-

प्रदत्तों की सांख्यकीय विश्लेषण और उनकी व्याख्या के आधार पर अध्ययनकाके निम्न निष्कर्ष है:-

.माध्यमिक विद्यालयी विद्यार्थियों की तुलना पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुवा की अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी गैर अनुदानित विद्यालयों के विद्यार्थियों से अधिक शैक्षिक उपलब्धि रखतेहैं।

.ग्रामीण क्षेत्र के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्राओं की तुलना में अधिक शैक्षिक उपलब्धि रखते हैं।

.गैर अनुदानित माध्यमिक विदयालय के ग्रामीण क्षेत्र के छात्र/छात्राओं की तुलना में अधिक शैक्षिक उपलब्धि रखते हैं।

.शहरीक्षेत्रके अनुदानित माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों की तुलना छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि से गयी है। परिणाम में यह प्राप्त होता है की शहरी क्षेत्र के अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के छात्र/छात्राओं की तुलना में अधिक शैक्षिक उपलब्धि रखते हैं।

.शहरी क्षेत्र के गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के तुलनात्मक अध्ययन में यह पाया गया कि शहरी क्षेत्र के गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि छात्राओं से अधिक है।

शैक्षिक निहितार्थ:-

प्रस्तुत शोध पत्र में अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना की गयी। यह तुलना उनके लिंग गत और आवसगत दृष्टि से ली गयी। परिणाम यह प्रदर्शित कर रहे हैं कि अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों से अधिक है। इससे यह शैक्षिक निहितार्थ

International Journal of Advances in Engineering and Management (IJAEM)
Volume 3, Issue 7 July 2021, pp: 1164-1166 www.ijaem.net ISSN: 2395-5252

प्राप्त होता है कि गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयो के शिक्षणस्तर में सुधार किया जाय तथा शैक्षिक परिवेशनिर्मित करके छात्रों की ज्ञान लब्धि में वृद्धि की जाए इस विश्लेषण यह भी प्राप्त हुवा की शहरी एवम ग्रामीण परिवेश के कारण शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर पाया गया है। अत एव माध्यमिक शिक्षा विद्यालयी सुविधाओं के साथ मनोवृत्यात्मक सुधार हेतु कदम उठाए जाएं।

संदर्भग्रंथ:-

पाण्डेय एवम मिश्रा-(1968): मूल्य शिक्षण विनोद पुस्तक मंदिर, रांगेयराघव

योजना पत्रिका-:सम्पादकीय कार्यालय कमरान०538 योजनाभवन

शर्मा,आर.ए.(1985):शिक्षाअनुसन्धान आर .लाल. बुकडिपो, मेरठ

चन्द्र,एस.(2002):प्राथमिक विद्यालयो में पूर्वनियुक्त तथा नवशिक्षकों की व्यसायिक सन्तुष्टि एव मउन के कक्षा शिक्षण वयहार का अध्ययन'